राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 5 अंक 1 **जनवरी-जून 2003**

1. **साहित्य के दर्पण में समाजशास्त्र का प्रतिबिम्ब** - प्रोफेसर आर.एन. द्विवेदी, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)
2. **समसामयिक सन्दर्भ में आतंकवाद के प्रति लोगों का प्रत्यक्षीकरण** - प्रोफेसर ए.एल. श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, बी.एच.यू. वाराणसी एवं डॉ. आभा सक्सेना, वरिष्ठ प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, अग्रसेन कन्या पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
3. **भारत में महिला स्वास्थ्य प्रस्थिति और मानवाधिकार** - प्रोफेसर ए.आर.एन. श्रीवास्तव, अध्यक्ष मानवशास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं डॉ. मंजूलता, प्रवक्ता समाजशास्त्र प्रयाग महिला विद्यापीठ इलाहाबाद (उ.प्र.)
4. **ग्राम स्तरीय नियोजन : जनसहभागिता, ग्राम-पंचायतें एवं महिलायें** - डॉ. अंजलि बहुगुणा, उपाचार्या अर्थशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
5. **श्री कृष्ण और जरथुस्त्र : के जन्म-कर्म में अपूर्व साम्य** - डॉ. मृगेन्द्र कुमार सिंह, प्राध्यापक दर्शनशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
6. **वृहत्त भारत तथा त्रिदेव महत्व** - डॉ. ऊषा अग्रवाल, रीडर एवं विभागाध्यक्षा समाजशास्त्र एम.एल.जे.एन. के. गर्ल्स पी.जी. कालेज, सहारनपुर (उ.प्र.)
7. **उज्जैन : धार्मिक एवं आर्थिक गतिविधियों का केन्द्र** - डॉ. राकेश कुमार, रीडर एवं अध्यक्षर इतिहास विभाग, जी.एस.एच. पी.जी. कालेज, चान्दपुर, बिजनौर (उ.प्र.)
8. **समकालीन भारतीय समाज में तलाक : संरचनात्मक और प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य में** - डॉ. गोपीरमण प्रसाद सिंह, रीडर समाजशास्त्र विभाग, कुंवर सिंह महाविद्यालय, दरभंगा (बिहार)
9. **जनसंख्या वृद्धि एवं निरक्षरता** - डॉ. मीना रायजादा, रीडर समाजशास्त्र विभाग, डी.बी.एस. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
10. **जनसंख्या स्थरीकरण एवं परिवार कल्याण** - डॉ. एन.एस. त्यागी, रीडर एवं अध्यक्ष भूगोल विभाग, वर्द्धमान कालेज, बिजनौर एवं डॉ. स्वाती भारद्वाज, अंशकालिक प्रवक्ता, भूगोल, वर्द्धमान कालेज, बिजनौर (उ.प्र.)
11. **सांस्कृतिक पुनर्जागरण आन्दोलन 'कानपुर के चिन्मय मिशन के सन्दर्भ में'** - डॉ. प्रीति द्विवेदी, रीडर इतिहास विभाग, ए.एन.डी. गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
12. **भारत में उच्च शिक्षा का विकास और वर्तमान स्थिति** - डॉ. कीर्ति वर्मा, प्रवक्ता प्रशिक्षण विभाग, ए. एन.डी. गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
13. **वर्तमार परिवेश में नारी की स्थिति और जागरूकता की आवश्यकता** - डॉ. अन्जू रानी, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, ए.एन.डी. गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर एवं श्रीमती सरिता शर्मा, प्रवक्ता समाजशास्त्र वनस्थली इण्टर कालेज, अगवानपुर, मुरादाबाद (उ.प्र.)
14. **विश्वव्यापीकरण और भारतीय नारी : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन** - सुभी धूसिया, प्रवक्ता, समाजशास्त्र, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)
15. **जनसंख्या वृद्धि एवं प्रजननता-एक समाजशास्त्रीय अध्ययन** - डॉ. दीपाली सक्सेना, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, डी.जी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
16. **अवसाद एवं युवा जीवन** - डॉ. रेणुका सिंह, समाजकार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ(उ.प्र.)
17. **भारत में निर्धनता, लिंग भेद, विद्यालयों की उपलब्धता और गुणवत्ता** - डॉ. अजरा आब्दी, अंशकालिक प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

18. **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में क्रियान्वित स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना** - डॉ. अरूण कुमार सिंह, कनिष्ठ शाखा प्रबन्धक जिला सहकारी बैंक, मेरठ (उ.प्र.)
19. **फिरोजाबाद जनपद में कांच उद्योग से जुड़े हुए बाल श्रमिक** - अखिल कुमार सक्सेना, शोध अध्येता समाजशास्त्र, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आगरा विश्वविद्यालय, आगरा (उ.प्र.)
20. **पुस्तक समीक्षा '' थीम्स ऑफ इन्डियन सोशल थॉट'' - लेखक डॉ. जी.एस. भट्ट** - समीक्षक डॉ. श्यामधर सिंह, प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी - (उ.प्र.)